प्रधानमंत्री ने किया ब्रह्माकुमारीज़ के सात राष्ट्रव्यापी अभियानों का शुभारंभ

अभियान के तहत पंद्रह हज़ार आध्यात्मिक कार्यक्रमों के ज़रिए 10 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा युगों-युगों का इतिहास इस बात का साक्षी है...

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा युगों-युगों का इतिहास इस बात का साक्षी है कि दुनिया जब अंधकार के दौर में थी, महिलाओं को लेकर पुरानी सोच से जकड़ी थी तब भारत मातृ शक्ति की पूजा देवी के रूप में करता था। हमारे यहाँ गार्गी, मैत्री, अनुसुईया, अरुंधति और मदालसा जैसी विदूषियां समाज को ज्ञान देती थीं। कठिनाइयों से भरे मध्यकाल में भी इस देश में पन्नाधाय और मीराबाई जैसी महान नारियां हुईं। स्वतंत्रता संग्राम में कितनी ही महिलाओं ने अपना बलिदान दिया। कित्तूर की रानी चेनम्मा, मतंगिनी हाजरा, रानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना झलकारी बाई से लेकर सामाजिक क्षेत्र में अहिल्या बाई होलकर, सावित्रीबाई फुले, इन देवियों ने भारत की पहचान बनाए रखी। आज देश लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के साथ आज़ादी की लड़ाई में नारी शक्ति के इस योगदान को याद कर रहा है।

अगले 25 साल त्याग-तप-तपस्या के वर्ष..

अगले 25 साल परिश्रम की पराकाष्ठा, त्याग-तप-तपस्या के वर्ष हैं। सैकड़ों वर्षों की गुलामी में हमारे समाज ने जो गंवाया, ये 25 वर्ष का कालखंड उसे दोबारा प्राप्त करने का है। इसलिए आज़ादी के इस अमृत महोत्सव में हमारा ध्यान भविष्य पर ही केन्द्रित होना चाहिए। हमारा समाज ऐसा समाज है जिसमें नित पुरातन और नूतन व्यवस्था है। समय के साथ कुछ बुराइयां व्यक्ति और समाज में भी प्रवेश कर जाती हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्थान से प्रधानमंत्री के तीन बड़े आह्वान

■ नागरिकों में कर्त्तव्य भावना का विकास करें

प्रधानमंत्री ने आग्रह किया कि ब्रह्माकुमारीज़ जैसी संस्थाएं आने वाले 25 वर्ष के लिए एक मंत्र बना लें कि भारत के जन-जन को कर्त्तव्य के लिए जागरुक करके बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आप सभी अपनी शक्ति और समय, जन-जन में कर्त्तव्य बोध जागृत करने में ज़रूर लगाएं। जिस भावना के साथ आप अपनी संस्था में काम करते हैं, उस कर्त्तव्य भावना का विस्तार समाज, देश, लोगों में हो, ये आज़ादी के अमृत महोत्सव पर आप लोगों का देश को उत्तम उपहार होगा।

■ भारत की सच्चाई को दूसरे देशों के लोगों तक पहुंचाएं

प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारी बहनों से आह्वान किया कि हमारा दायित्व है कि दुनिया भारत को सही रूप में जाने। भारत के बारे में जो अफवाहें फैलाई जा रही हैं, उनकी सच्चाई वहाँ के लोगों को बताएं, जागरुक करें, ये हम सबका कर्त्तव्य है। भारत की आध्यात्मिक सत्ता आप सभी ब्रह्माकुमारी बहनें इसी परिपक्वता के साथ निभाएं।

■ आत्मनिर्भर भारत को दें गति...

उन्होंने आह्वान किया कि सभी आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति दे सकते हैं। वोकल फॉर लोकल। स्थानीय उत्पादों को गति देकर इस अभियान में बहुत बड़ी मदद हो सकती है।

इन सात अभियानों का प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ

- वैक्सीनेशन अभियान : गांव-गांव में लोगों के लिए वैक्सीन लगाने और जागरुक करने।
- आत्मनिर्भर किसान : किसानों को यौगिक-जैविक खेती के प्रति जागरुक करने।
- महिलाएं : नए भारत की ध्वजवाहक अभियान
- 'अनदेखा भारत' साइकिल रैली।
- सड़क सुरक्षा के लिए देशभर में 150 बाइक रैली: एक बाइक रैली में 75 बाइक शामिल होंगी। सभी रैलियां 25 हज़ार किमी की दूरी तय करेंगी।
- आबूरोड से दिल्ली जाने वाली एक भारत श्रेष्ठ भारत मोटरसाइकिल रैली।
- युवाओं को सशक्त बनाने के लिए बस यात्रा और स्वच्छ भारत अभियान।

- इन्होंने भी व्यक्त किये विचार

कार्यक्रम में न्यूयॉर्क से जुड़ीं संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. मोहिनी बहन ने कहा कि सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे तभी समाज में शांति और सद्भावना आएगी। इस दौरान संस्थान के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. मुन्नी बहन, सूचना निदेशक ब्र.कु. करुणा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने स्वागत भाषण दिया। संचालन एजुकेशन विंग की मुख्यालय समन्वयक ब्र.कु. शिविका बहन ने किया।

ब्रह्माकुमारीज़ गांवों के लिए प्रेरणा बन सकती है

प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था अध्यात्म के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे कई क्षेत्रों में कई बड़े-बड़े काम कर रही है। अमृत महोत्सव के लिए आपने कई लक्ष्य निर्धारित किए हैं। संस्था के प्रयास देश को एक नई ऊर्जा और शक्ति देंगे। खान-पान की शुद्धता को लेकर हमारी बहनें समाज को लगातार जागरुक करती रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा बन सकती है। ब्रह्माकुमारीज़ ने तो सोलर पॉवर के क्षेत्र में एक उदाहरण रखा है। कितने ही समय से यहाँ की रसोई में सोलर पॉवर से खाना बनाया जा रहा है। सोलर पॉवर का इस्तेमाल ज़्यादा से ज़्यादा लोग करें इसमें भी आपका बहुत बड़ा सहयोग हो सकता है।

यह भी बोले प्रधानमंत्री...

- राजयोगिनी दादी जानकी और राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी को याद करते हुए कहा कि वह भले शारीरिक रूप से हमारे बीच उपस्थित नहीं हैं, पर उनका मुझसे बहुत स्नेह था। आज के कार्यक्रम में मैं उनका स्नेह और आशीर्वाद महसूस कर रहा हूँ।
- भारत की सबसे बड़ी ताकत ये है कि कैसा भी समय आए, कितना भी अंधेरा छाए, भारत अपने मूल स्वभाव को बनाए रखता है।
- जो लोग जागृत रहते हुए बुराइयों को जान लेते हैं, वह इनसे बचने में सफल हो जाते हैं। ऐसे लोग अपने जीवन में हर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।
- समाज सुधार के प्रारंभिक वर्षों में ऐसे लोगों को विरोध का सामना करना पड़ता है। कई बार तिरस्कार भी सहना पड़ता है। लेकिन ऐसे सिद्ध लोग समाज सुधार के काम से पीछे नहीं हटते, वह अडिग रहते हैं। समय के साथ समाज उन्हें मान-सम्मान देता है, उन्हें मानता है और उनकी सीखों को आत्मसात् करता है।
- वर्तमान समय सोते हुए सपने देखने का नहीं, बल्कि जागृत होकर अपने संकल्पों को पूरे करने का है।

- ये भी जुड़े ऑनलाइन

कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, राजस्थान के तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, पहलवान रितु फोगाट, निर्देशक सुभाष घई सहित देश-विदेश की कई गणमान्य हस्तियों ने भी ऑनलाइन जुड़कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Feb, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org